STATEMENT BY MINISTER—

Correcting the replies given in the Rajya Sabha on the 8th August, 1985, to Supplementary Questions arising out of the answer to Starred Question 244 regarding steps to prevent communal riots

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI ARIF MOHD. KHAN): Sir, in reply to the supplementaries to the Rajya Sabha Starred Question No. 244 on 8-8-1985, the following was stated:—

(1) "यह भी साथ-साथ गाइड-लाइन दी हुई है—और गालिबन दो साल पहले साबिक वजीरे-आजम श्रीमती इन्दिरा गांधी ने एक खत सभी सूबों के वजीरे-आला को लिखा था ।"

(2) "The last meeting was held in 1982".

The above replies may be corrected as follows:

(1) "यह भी साथ-साथ गाइडलाइन दी हुई है—और गालिबन दो साल पहले गृह मंत्री श्री पी० सी० सेठी ने एक खत सभी सूबों के वजीरे-आला को लिखा था ।"

(2) The last meeting was held in 1984".

MR. CHAIRMAN: Mr. Hashmi, you wanted to ask something.

श्री सैयद अहमद हाशमी (उत्तर प्रदेश) : सभापति महोदय, मैं यह भी अर्ज करना चाहूंगा कि क्वैश्चन 244 के सिलसिले के अन्दर 8 अगस्त को जो मैंने सवाल किया था, शायद हो सकता है कि हमारे आनरेबिल मिनिस्टर ने उसका मतलब न समझा हो । लेकिन जो मैंने एक बहुत खुसूसन सवाल किया था, उसका आज भी कोई जवाब नहीं है । मैंने सवाल किया था यह कि आया आपकी गाइड लाइन्स के अन्दर इसका भी कोई सिलसिला है, कोई ऐसी भी शक्ल है जिसके अन्दर आपने उन लोगों के बारे में जो इंतजामिया के अन्दर, एडमिनिस्ट्रेशन के अन्दर इन्वोल्व पाए जाते हैं, उनके बारे में आपने कोई गाइडलाइन्स दी हैं स्टेटमेंट में या नहीं ? आया अगर वह इन्वोल्व पाए जाते हैं, इसलिए सारे मौके पर जो हुआ है, मैं मिसाल देना चाहूंगा मेरठ की, अहमदाबाद की, सहारनपुर की . . . (**व्यवधान**)

MR. CHAIRMAN: Please put your questions and I will ask the Minister to reply. No examples.

श्री सैयद अहमद हाशमी : बगैर इसके एग्जाम्पल के वह सवाल पूरा नहीं हो सकता . . . (**व्यवधान**)

MR. CHAIRMAN: No. Will you please put the quetsion?

श्री सैयद अहमद हाशमी : अब आप यह कहिए कि न बोलिए, तो कोई बात नहीं है । मगर बगैर इसके सवाल पूरा नहीं हो सकता । हमारे आनरेबिल मिनिस्टर समझ नहीं सकते ।

MR. CHAIRMAN: Alright: you may sit down now. Please sit down. When I am standing, you have to sit down.

First thing please understand that it is not customary to allow any explanations. You came and mentioned to me one thing that this is just a simple thing where you wanted a clarification. I said I will allow it but since you are explaining it, you may write to the Minister and he will send you a reply. Now papers to be laid. . . . . .

(*Interruptions*)